व्याख्या भी ज्ञानमीमांसा के विकास सिद्धान्तों के आधार पर सम्भव है।

Axiology SEM-1, SC-101, Date-16-06-21, S.B. Chaudh...

3. मूल्यमीमांसा - दर्शनशास्त्र में मूल्य मीमांसा का महत्त्वपूर्ण स्थान है। मूल्य मीमांसा को अंग्रेजी में Axiology कहते हैं। अंग्रेजी भाषा में यह शब्द ग्रीक भाषा के Axios शब्द से निर्मित है। ग्रीक भाषा में Axios शब्द का अर्थ मूल्य या मान से होता है। मूल्य मीमांसा के अनुसार प्रत्येक पदार्थ के दो पक्ष होते हैं - 1. तथ्य पक्ष तथा 2. मूल्य पक्ष। पदार्थ के तथ्य पक्ष में हम पदार्थ के आकार प्रकार, रूप, भार आदि की वर्णनात्मक व्याख्या करते हैं किन्तु उसके मूल्य पक्ष में हम उसके गुणावधारण (Appreciation) शक्ति के सन्दर्भ में व्याख्या करते हैं। मूल्य का निर्धारण व्यक्ति द्वारा किया जाता है, तथ्य के समान यह पहले से विद्यमान नहीं रहता है। मूल्य को सदैव किसी आदर्श के सन्दर्भ में परिलक्षित किया जाता है। मूल्य का माप बिना किसी आदर्श के सन्दर्भ में सम्भव नहीं है। मूल्य का निर्धारण मनुष्य विभिन्न परिस्थितियों, काल तथा स्थान के सन्दर्भ में करता है। बच्चे के जन्म के समय जो संगीत अच्छा लगता है, वह परिवारजन की मृत्यु के समय बुरा लगता है। अतः कोई भी एक मूल्य सदैव अच्छा हो, ऐसा नहीं है। इसलिए कहा जाता है कि मूल्य न तो सर्वमान्य होता है और न नित्य

PHI SC- AXIOLOGY AND EDUCATION
SC-101, SEM-1, BY-Dr. S.B. Choudhary Date 16-06-21

एक खाद्य पदार्थ एक व्यक्ति को अच्छा लगता है तो वही दूसरे को बुरा। र के वस्त्र एक समाज में अच्छे माने जाते हैं तो दूसरे समाज में बुरे ते है। लाट्स (Lotze) के अनुसार जो हमें आत्मसंतोष की अनुभूति ी मूल्यवान है, वह सत्यम, शिवम तथा सुन्दरम हैं तथा इसी में यही विचार स्पिनोजा तथा जान डीवी के हैं कि मूल्य कभी भी नित्य गत (Subjective) नहीं हो सकता है।

लेयर्ड (Laird), मूरे (Moore), थामस (Thomas) तथा ब्राउन (Brown) ों का मत है कि व्यक्ति को जिस प्रकार गंध, वायु, रूप, रस तथा दिक होती है, ठीक इसी प्रकार हमें मूल्य की भी अनुभूति होती है, अतः यह (objective) है इसकी व्याख्या नहीं की जा सकती है अपितु इसकी की जा सकती है।

लेक्जेण्डर के अनुसार मूल्य के दो पक्ष होते हैं [redacted] विषय (Subject) अनुभूति करता है, तथा [redacted] वस्तुनिष्ठ (object): जिसके मूल्य की जाती है। इस सम्पूर्ण विवेचन से स्पष्ट है कि मूल्य विषयगत (Sub ा वस्तुनिष्ठ (objective) दोनों ही हैं। यहां केवल इतना ध्यान क है कि मूल्य का सम्बन्ध केवल मात्र व्यावहारिक जगत से है। र से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है। मूल्य किसी वस्तु प्रत्यय ा होता है और इसके मूल्य का आकार अलग-अलग मात्रा में ता है।

[illegible]